आधुनिक विश्व इतिहास

1500 से 2000 तक

सत्ताईसवाँ संस्करण : सितम्बर, 2021

वार्साय के शानदार महल
फ्रांसीसी क्रांति (1789); वार्साय संधि (1919) का मूकदृष्टा

जैन • माथुर

Scanned by TapScanner

विषयानुक्रम
CONTENTS

0	प्रारम्भिक **Preliminary**	1
I.	शब्दावली Glossary	3
II.	चयनित अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व Selected International Personalities	15
III.	आधुनिक विश्व इतिहास की झलक Glimpses of Modern World History	29
IV.	सुरक्षा परिषद में भारत India in Security Council	

Scanned by TapScanner

1. **प्रबोधन तथा आधुनिक विचार** **37**
Enlightenment and Modern Ideas

I. **पुनर्जागरण-पृष्ठभूमि के रूप में** 39
Renaissance Background
अर्थ; पुनर्जागरण के कारण; पुनर्जागरण का जन्मस्थल : इटली; पुनर्जागरण की विशेषताएँ; पुनर्जागरण के संदर्भ में कतिपय विवाद; पुनर्जागरण काल में साहित्य, कला एवं विज्ञान का विकास-साहित्य के क्षेत्र में, राजनीतिक साहित्य के क्षेत्र में, कला के क्षेत्र में; पुनर्जागरण का महत्त्व एवं परिणाम।

II. **प्रबोधन के मुख्य विचार : काण्ट, रूसो** 60
Major Ideas of Enlightenment : Kant, Rousseau
प्रबोधन का स्वरूप एवं विकास; प्रमुख विचारक-पेरे बेले, मोंतेस्क्यू, वाल्तेयर;-इमैनुअल काण्ट (1724-1804 ई.) एवं रूसो।

III. **यूरोप से बाहर प्रबोधन का प्रसार** 80
Spread of Enlightenment Outside Europe
अमेरिका, चीन, जापान, भारत।

IV. **समाजवादी विचारों का उदय (मार्क्स तक)** 85
Rise of Socialist Ideas (to Marx)
ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रारम्भिक समाजवादी और समाजवादी संगठन, कार्ल मार्क्स एवं मार्क्सवादी समाजवाद, "प्रथम इन्टरनेशनल" और समाजवाद का विकास फ्रांस में समाजवाद, जर्मनी में समाजवाद, इंग्लैण्ड में समाजवाद, रूस में समाजवाद, द्वितीय इंटरनेशनल।

2. **आधुनिक राजनीति के उद्‌गम** **113**
Origins of Modern Politics

I. **यूरोपीय राज्य प्रणाली** 117
European States System
(अ) राष्ट्र राज्योदय, (ब) यूरोपीय राज्य व्यवस्था के आधार, (स) यूरोप लोकतांत्रिक राज्य की ओर, (द) यूरोपीय राज्य प्रणाली के अन्तर्गत सहयोग की शुरुआत (i) वियना कांगरेस (1814-1815 ई.), (ii) यूरोपीय संयुक्त व्यवस्था, यूरोप की संयुक्त अर्थव्यवस्था का कार्यप्रणाली, यूरोपीय संयुक्त व्यवस्था की असफलता के कारण।

Scanned by TapScanner

II. अमेरिकी क्रांति तथा संविधान 136

American Revolution and the Constitution

उपनिवेशों की भौगोलिक स्थिति, उपनिवेशों की संस्कृति, क्रांति पूर्व अमेरिका की स्थिति; अमेरिकी क्रान्ति के कारण, स्वतन्त्रता की घोषणा, पेरिस की संधि (3 सितम्बर, 1783 ई.), अमेरिका का संविधान, अंग्रेजों की असफलता के कारण, क्रान्ति का स्वरूप; अमेरिकी स्वातंत्र्य युद्ध या क्रान्ति?, अमेरिकी क्रान्ति का महत्त्व, (1) अमेरिका पर प्रभाव, (2) इंग्लैण्ड पर प्रभाव, (3) फ्रांस पर प्रभाव, (4) आयरलैण्ड पर प्रभाव, (5) भारत पर प्रभाव, (6) वाणिज्यवादी सिद्धान्तों का परित्याग, (7) विश्वव्यापी स्थायी प्रभाव। अमेरिका का संविधान, अमेरिका के आदर्शों का मतभेद; अमेरिकी संविधान की विशेषताएँ।

III. फ्रांसीसी क्रांति तथा परिणाम (1789-1815 ई.) 179

French Revolution and Aftermath, 1789-1815

क्रांति के कारण, (1) राजनीतिक, (2) सामाजिक, (क) पादरी, (क) कुलीन वर्ग, (ग) सर्वसाधारण वर्ग, (3) आर्थिक, (4) बौद्धिक जागरण, (5) क्रांति के तात्कालिक परिणाम, फ्रांस में ही क्रांति क्यों?, क्रांति की शुरूआत एवं मुख्य घटनाएँ, संविधान सभा के कार्य, क्रांति की समीक्षा, क्रान्ति को अभिप्रेरित करने वाले विशिष्ट व्यक्तित्व।

फ्रांस की क्रान्ति का विश्व इतिहास में महत्त्व, फ्रांस की क्रान्ति का प्रभाव, (अ) फ्रांस पर प्रभाव, (ब) इंग्लैण्ड पर प्रभाव, (स) शेष यूरोप पर प्रभाव, (द) विश्वव्यापी स्थायी प्रभाव।

नेपोलियन का युग (1799-1815 ई.), नेपोलियन के उदय के कारण, नेपोलियन का उत्थान; नेपोलियन की उपलब्धियाँ : कौंसिल के रूप में, (1) 1799 ई. का संविधान (2) शासन सुधार (3) आर्थिक सुधार (4) शिक्षा सम्बन्धी सुधार, (5) पोप के साथ समझौता; नेपोलियन की कानून संहिता : एक महान् उपलब्धि; नेपोलियन की सम्राट के रूप में उपलब्धियाँ, (1) यूरोप में प्रभुता का प्रयास, (2) महाद्वीपीय व्यवस्था, महाद्वीपीय व्यवस्था की असफलता के कारण, (3) पुर्तगाल पर आक्रमण, (4) स्पेन से संघर्ष, (5) आस्ट्रिया से पुनः युद्ध, (6) मास्को अभियान, (7) प्रशा से युद्ध, (8) राष्ट्रों से युद्ध।

नेपोलियन के अन्तिम दिन; नेपोलियन के पतन के कारण, नेपोलियन क्रांति-पुत्र के रूप में, नेपोलियन का मूल्याकन; नेपोलियन युग का महत्त्व।

Scanned by TapScanner

IV. अब्राहम लिंकन के सन्दर्भ में-अमेरिका का गृह युद्ध एवं दास प्रथा का उन्मूलन 241
The American Civil War with reference to Abraham Lincoln and the Abolition of Slavery
अमेरिका में दास प्रथा एवं इसका स्वरूप; गृह युद्ध की शुरुआत एवं अब्राहम लिंकन की भूमिका; दास प्रथा का उन्मूलन एवं गृह युद्ध के परिणाम तथा प्रभाव

V. ब्रिटिश लोकतांत्रिक राजनीति (1815-1859 ई.) : संसदीय सुधारक, मुक्त व्यापारी, चार्टिस्ट 261
British Democratic Politics, 1815-1850; Parliamentary Reformers, Free Traders, Chartists.
(अ) संसदीय सुधारक, प्रथम सुधार अधिनियम (1832 ई.), (ब) मुक्त व्यापारी, (स) चार्टिस्ट आन्दोलन, आन्दोलन के कारण, असफलता के कारण।

3. औद्योगिकीकरण 289
Industrialization

I. अंग्रेजी औद्योगिक क्रांति : कारण तथा समाज पर उसका प्रभाव 293
English Industrial Revolution : Causes and Impact on Society
- औद्योगिक क्रान्ति का आरम्भ, औद्योगिक क्रान्ति की वैज्ञानिक एवं तकनीकी पृष्ठभूमि, कृषि के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन, वस्त्र उद्योग में यन्त्रों का प्रयोग, नई प्रकार की शक्ति : वाष्प इंजन, लौह उद्योग में नई तकनीक का प्रयोग, नवीन तकनीकी के प्रवेश से सड़क एवं नहर निर्माण, परिवहन के क्षेत्र में नवीन आविष्कार, संचार के क्षेत्र में नूतन प्रयोग एवं सुधार, औद्योगिक क्रांति का जीवन पर प्रभाव, आर्थिक प्रभाव, सामाजिक प्रभाव, राजनीतिक प्रभाव, विचारधारा पर प्रभाव।

II. अन्य देशों में औद्योगिकीकरण : संयक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, रूस, जापान 311
Industrialization in Other Countries : U.S.A., Germany, Russia, Japan
(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका, कृषि, परिवहन, सूती वस्त्र उद्योग, लौह एवं इस्पात, निगम व स्टॉक बाजार, (ब) जर्मनी, (स) रूस, (द) जापान।

III. समाजवादी औद्योगिकीकरण : रूस तथा चीन में 323
Socialist Industrialization : Soviet and Chinese
(अ) रूस में समाजवादी औद्योगिकीकरण, कृषि, उद्योग, (ब) चीन-कृषि विकास, औद्योगिक विकास।

Scanned by TapScanner

4. राष्ट्र–राज्य प्रणाली 335
Nation-State System

I. उन्नीसवीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उत्थान 339
Rise of Nationalism in Nineteenth Century

II. राष्ट्रवाद : इटली एवं जर्मनी में राष्ट्र निर्माण 344
Nationalism : State-building in Italy and Germany
(अ) इटली में राष्ट्र–निर्माण, एकीकरण यथार्थता की ओर, नेपोलियन का सहयोग एवं लोम्बार्डी की प्राप्ति, मध्य इटली का विलय, नेपल्स और सिसली का विलय, इटली के एकीकरण का अन्तिम चरण, समीक्षा।
(ब) जर्मनी में राष्ट्र निर्माण, प्रथम चरण : डेनमार्क से युद्ध एवं गेस्टाइन समझौता, द्वितीय चरण : आस्ट्रिया–प्रशा एवं प्राग की संधि, तृतीय चरण : फ्रेंको–प्रशियन युद्ध एवं फ्रैंकफर्ट की संधि।

III. राष्ट्रीयताओं के आविर्भाव से साम्राज्यों का विघटन 382
Disintegration of Empires through the Emergence of Nationalities
यूनान का स्वतन्त्रता संग्राम (1814–1829 ई.), रूस और तुर्की का युद्ध (1828–29 ई.), एड्रियानोपल की संधि (14 सितम्बर, 1829 ई.), बेल्जियम की स्वतन्त्रता।

5. साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद 393
Imperialism and Colonialism
नवीन साम्राज्यवाद के विकास के कारण (1) आर्थिक तत्त्व (2) राजनीतिक तत्त्व : प्रखर राष्ट्रीय चेतना (3) धार्मिक तत्त्व (4) भौगोलिक तत्त्व : नये क्षेत्रों की खोज (5) साम्राज्यवाद के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ।

I. दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्व एशिया 40
South and South-East Asia
भारत, अंग्रेजी साम्राज्यवादी नीति का प्रसार, पाकिस्तान, श्रीलंका; दक्षिण–पूर्वी एशिया; दक्षिण–पूर्वी एशिया में भारतीय एवं चीनी प्रभाव, पश्चिमी लोगों के आगमन से पूर्व का दक्षिण–पूर्वी एशिया, दक्षिण–पूर्वी एशिया में यूरोप के लोगों का प्रवेश, इण्डोमेशिया, हिन्द–चीन।

Scanned by TapScanner

II. लैटिन अमेरिका एवं दक्षिण अफ्रीका 424
Latin America and South Africa
लैटिन अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, श्वेत सरकार द्वारा रंगभेद नीति अपनाना।

III. आस्ट्रेलिया 433
Australia

IV. साम्राज्यवाद तथा मुक्त व्यापार : नव साम्राज्यवाद का उदय 436
Imperialism and Free Trade : Rise of Neo-Imperialism
औद्योगिक क्रान्ति के पहले और उसके बाद व्यापार का सरकारी नियमन; मुक्त व्यापार नीति का प्रारम्भिक इतिहास, उदार साम्राज्यवादी नीति का प्रारम्भ; मुक्त व्यापार नीति; मुक्त व्यापार के पक्ष में तर्क, स्वतन्त्र व्यापार के विरोध में तर्क; नव-साम्राज्यवाद; नव-साम्राज्यवाद के लक्ष्य।

6. क्रान्ति तथा प्रति-क्रान्ति 447
Revolution and Counter-Revolution

I. उन्नीसवीं शताब्दी में यूरोपीय क्रान्तियाँ 449
Nineteenth Century European Revolutions
फ्रांस की जुलाई, 1830 की क्रान्ति एवं प्रतिक्रिया, यूरोप के राज्यों पर 1830 की क्रान्ति की प्रतिक्रिया; फ्रांस की 1848 की क्रान्ति एवं प्रतिक्रिया; यूरोप में 1848 की क्रान्तियाँ; 1848 की क्रान्ति की यूरोप में प्रतिक्रिया; 1848 की क्रान्ति के परिणाम।

II. 1917-1921 ई. की रूसी क्रान्ति 471
The Russian Revolution 1917-1921
रूसी क्रान्ति के कारण, बोल्शेविक क्रान्ति; बोल्शेविक क्रान्ति के परिणाम, (अ) राजनीतिक परिणाम, (ब) सामाजिक परिणाम, (स) आर्थिक परिणाम, बोल्शेविक क्रान्ति का महत्त्व, (स) रूस में आर्थिक एवं सामाजिक पुनर्निर्माण, नयी आर्थिक नीति, नई आर्थिक नीति के कार्यक्रम।

III. फासीवादी प्रति-क्रान्ति, इटली तथा जर्मनी 494
Fascist Counter-Revolution, Italy and Germany.
(अ) इटली में फासिस्ट अधिनायक तंत्र की स्थापना, इटली की अर्थव्यवस्था में सुधार के प्रयास, फासीवाद के सांस्कृतिक तत्त्व।
(ब) जर्मनी में नात्सी अधिनायक तंत्र की स्थापना, 'मेरा संघर्ष', नाजी दर्शन, नाजीवाद की विशेषताएँ, नाजीवाद के साधन, एडाल्फ़ हिटलर : एकमात्र

Scanned by TapScanner

नेता, हिटलर द्वारा राजनैतिक एवं आर्थिक तंत्र पर पूर्ण नियन्त्रण का प्रयास; नात्सी जर्मनी की विदेश नीति के आधार।

IV. **1949 ई. की चीनी क्रान्ति** 532
The Chinese Revolution of 1949
चीन में साम्यवाद के उदय के कारण; साम्यवादी दल का उदय और विकास, साम्यवादियों द्वारा स्थान परिवर्तन या 'महाप्रस्थान', साम्यवादी क्रान्ति का विश्व राजनीति पर प्रभाव; मोओत्से तुंग : महान् व्यक्तित्व।

7. विश्व युद्ध **559**
World Wars

I. **सर्वांगिक युद्ध के तौर पर प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध : सामाजिक तात्पर्य** 561
First and Second World Wars as Total Wars : Social Implications
(1) अल्पसंख्यकों की समस्या के समाधान का प्रयास, (2) स्त्रियों की स्थिति में परिवर्तन, (3) नस्लों की समानता, (4) धार्मिक सर्वोच्चता का भ्रम, (5) विज्ञान के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उन्नति, (6) कलाओं के नये तरीकों का विकास, (7) साहित्य, (8) जनशिक्षा का प्रसार, (9) मानवतावादी जीवन दर्शन।

II. **प्रथम विश्व युद्ध : कारण तथा परिणाम** 564
World War I : Causes and Consequences
प्रथम विश्व युद्ध के पूर्व की राजनयिक पृष्ठभूमि; प्रथम विश्वयुद्ध के कारण- (1) राष्ट्रीयता की भावना, (2) कूटनीतिक सन्धियाँ, (3) सैन्यवाद और शस्त्रीकरण, (4) साम्राज्यवाद तथा आर्थिक प्रतिद्वंद्विता, (5) अन्तर्राष्ट्रीय अराजकता, (6) सम्राट विलियम कैसर का चरित्र, (7) सामाजिक असन्तुलन, (8) समाचार-पत्रों एवं प्रचार साधनों का प्रभाव, (9) अन्तर्राष्ट्रीय संस्था का अभाव, (10) युद्ध का तात्कालिक कारण, युद्ध की शुरुआत, मुख्य घटनाएँ, युद्ध का उत्तरदायित्व; युद्ध के परिणाम, (अ) आर्थिक परिणाम-आर्थिक विनाश, जनशक्ति का महाविनाश, युद्ध ऋण, व्यापार को क्षति, मुद्रा प्रसार, मजदूर आन्दोलन, राजकीय समाजवाद का विकास; (ब) सामाजिक परिणाम-अल्पसंख्यकों की समस्या के समाधान के प्रयास, स्त्रियों की दशा में परिवर्तन, सांस्कृतिक क्षति, वैज्ञानिक प्रगति।

III. **द्वितीय विश्व युद्ध : राजनीतिक परिणाम** 582
World War II : Political Consequences
द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व की पृष्ठभूमि; द्वितीय विश्व युद्ध के कारण- (1) वर्साय संधि की कठोर शर्तें, (2) तानाशाहों का उत्कर्ष, (3) राष्ट्रसंघ

Scanned by TapScanner

की असफलता : सामूहिक-सुरक्षा प्रणाली की समाप्ति, (4) नि:शस्त्रीकरण के प्रयासों की असफलता, (5) पश्चिमी राष्ट्रों की नीति में अन्तर्विरोध एवं तुष्टीकरण की नीति की असफलता, (6) उग्र राष्ट्रवाद की भावना, (7) दो प्रतिद्वंदी सैनिक गुटों का उदय (8) अल्पसंख्यक जातियों का असंतोष, (9) युद्ध का तात्कालिक कारण : जर्मनी का पोलैण्ड पर आक्रमण; द्वितीय विश्व युद्ध के राजनीतिक परिणाम।

8. शीत युद्ध 607
Cold War

I. दो गुटों का आविर्भाव 609
Emergence of Two Blocs
शीत युद्ध की उत्पत्ति, शीत युद्ध : अर्थ एवं परिभाषा, शीत युद्ध की प्रकृति, शीत युद्ध के कारण, शीत युद्ध का प्रथम चरण (1917-1945 ई.), शीत युद्ध का द्वितीय चरण (1946-1953 ई.), एशिया पर शीत युद्ध का प्रभाव : साम्यवादी चीन का अभ्युदय, शीत युद्ध का तृतीय चरण (1953-1958 ई.), शीत युद्ध का चतुर्थ चरण (1959-1962 ई.), शीत युद्ध का पंचम् चरण (1963-1979 ई.), शीत युद्ध का षष्ठम् चरण (1980-89 ई.), शीत युद्ध का अन्त।

II. पश्चिमी यूरोप का एकीकरण तथा अमेरिकी रणनीति : साम्यवादी पूर्वी यूरोप 622
Integration of West Europe and U.S. Strategy : Communist East Europe
यूरोपीय संघ, मैस्ट्रिच सन्धि एवं यूरोपीय एकता, साम्यवादी पूर्वी यूरोप का एकीकरण, पूर्वी यूरोप का सैनिक एवं आर्थिक एकीकरण।

III. तृतीय विश्व तथा गुट निरपेक्षता का आविर्भाव 636
Emergence of Third World and Non-Alignment
तृतीय विश्व; गुट-निरपेक्षता, गुट-निरपेक्षता : उदय, गुट निरपेक्षता : अर्थ एवं परिभाषा, गुट निरपेक्ष आंदोलन के उद्देश्य, गुट-निरपेक्ष आन्दोलन : सदस्यता की शर्तें, गुट-निरपेक्षता को चुनने के कारण, गुट-निरपेक्ष आन्दोलन की संस्थाएँ, गुट-निरपेक्षता की विश्व राजनीति में उपलब्धियाँ, गुट-निरपेक्षवाद की चुनौतियाँ, बाहरी चुनौतियाँ, आन्तरिक चुनौतियाँ, गुट-निरपेक्ष आन्दोलन के शिखर सम्मेलनों का संक्षिप्त-परिचय, गुट-निरपेक्षता की आलोचना, गुट-निरपेक्षता का भविष्य : प्रासंगिकता।

Scanned by TapScanner

IV. **संयुक्त राष्ट्र तथा विवादों का समाधान** 656
U.N. and Dispute Resolution
संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य एवं सिद्धान्त, संयुक्त राष्ट्र संघ के सिद्धान्त, संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता एवं मुख्य बातें, संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग, संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रमुख विशिष्ट समितियाँ, विवादों का समाधान, संयुक्त राष्ट्र संघ के सामने आने वाले विवाद, भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ को विश्वव्यापी संस्था बनाने का प्रयत्न, सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यता हेतु भारत का दावा, सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता हेतु जी-4 सदस्यों का एक-दूसरे को समर्थन; संयुक्त राष्ट्र संघ की उपलब्धियाँ, संयुक्त राष्ट्र की कुछ अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियाँ, संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यों का मूल्यांकन।

9. **औपनिवेशिक मुक्ति** **687**
Colonial Liberation

I. **लैटिन अमेरिका-बोलिवर** 689
Latin America—Bolivar
लैटिन अमेरिका की तीन मौलिक समस्याएँ, लैटिन अमेरिका में सांस्कृतिक प्रगति, लैटिन अमेरिका के उत्थान का प्रभाव।

II. **अरब प्रदेश-मिस्र** 700
Arab World—Egypt
मिस्र में सुधार तथा स्वाधीनता।

III. **अफ्रीका—रंग-भेद नीति से लोकतंत्र की ओर** 715
Africa—Apartheid to Democracy
अफ्रीका में यूरोपीय साम्राज्यवाद का प्रसार, अफ्रीका में राष्ट्रवाद का उत्थान; अफ्रीका में साम्राज्यवाद के प्रसार से उत्पन्न श्वेत-अश्वेत की समस्या, दक्षिण अफ्रीका; स्वतन्त्र अफ्रीकी महाद्वीप की समस्याएँ; अफ्रीकी एकता संगठन।

IV. **दक्षिण-पूर्वी एशिया—वियतनाम** 728
South-East Asia—Vietnam
दक्षिण-पूर्वी एशिया में भारतीय एवं चीनी प्रभाव, पश्चिमी लोगों के आगमन से पूर्व का दक्षिण-पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्वी एशिया में यूरोप के लोगों का प्रवेश, इण्डोनेशिया पर विदेशी शासन की स्थापना, हिन्दचीन-वियतनाम।

Scanned by TapScanner

उपनिवेशवाद का अंत तथा अल्प-विकासशीलता **745**
Decolonization and Underdevelopment

I. उपनिवेशवाद का अंत : औपनिवेशिक साम्राज्यों का क्षरण—ब्रिटिश, फ्रेंच, डच 748
Decolonization : Break up of Colonial Empires—British, French, Dutch
स्वतन्त्रता प्राप्ति के विभिन्न चरण।

II. विकास के अवरोधक कारक : लैटिन अमेरिका, अफ्रीका 759
Factors Constraining Development : Latin America, Africa
लैटिन अमेरिका में विकास के अवरोधक कारक, लैटिन अमेरीका में स्वाधीनता का सूर्योदय, लैटिन अमेरिकी देशों की तीन मौलिक समस्याएँ, संयुक्त राज्य अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश, अफ्रीका में विकास के अवरोधक कारक।

11. यूरोप का एकीकरण **771**
Unification of Europe

I. युद्धोत्तर संस्थाएँ : नाटो तथा यूरोपीय समुदाय 773
Post War Foundations : NATO and European Community
पृष्ठभूमि, कारण, उद्देश्य; नाटो संधि के अनुच्छेद, अंग; नाटो का नवीन विस्तार; नाटो की प्रासंगिकता के कारक।

II. यूरोपीय समुदाय/यूरोपीय संघ का समन्वयन तथा विस्तार 785
Consolidation and Expansion of European Community/European Union.
संघ की संस्थाएँ, यूरोपीय संघ और भारत, यूरोपीय यूनियन विस्तार की सम्भावना; विस्तार की सम्भावना का साकार होना (2004 ई.); यूरोपीय संघ : प्रमुख तथ्य, यूरोपीय संघ की गोटेनबर्ग वार्ता, नवीन चुनौतियाँ, यूरोपीय संघ की समीक्षा; भारत और यूरोपीय संघ का विस्तार : एक समीक्षा।

12. सोवियत विघटन तथा एकध्रुवीय विश्व **797**
Soviet Disintegration and the Unipolar World

I. सोवियत साम्यवाद तथा सोवियत संघ के विघटन के कारक (1985-1991 ई.) 801
Factors in the Collapse of Soviet Communism and the Soviet Union, 1985-1991
सोवियत साम्यवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सोवियत साम्यवाद (1985-1991), सोवियत संघ के विघटन के कारक, सोवियत संघ के विघटन के प्रभाव।

Scanned by TapScanner

II. पूर्वी यूरोप में राजनीतिक परिवर्तन (1989-1992 ई.) 813
Political Changes in East Europe 1989-1992
पूर्वी जर्मनी, पोलैण्ड, रोमानिया, चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, अल्बानिया, बल्गारिया।

III. विश्व में शीत युद्ध की समाप्ति तथा अमेरिकी प्रभुत्व 819
End of the Cold War and U.S. Ascendancy in the World
(अ) शीत युद्ध के अवसान का ऐतिहासिक अनुक्रम, शीत युद्ध समाप्ति के बढ़ते चरण, शीत युद्ध के अन्त के कारक, शीत युद्ध के प्रभाव, (ब) अमेरिकी प्रभुत्व।

IV. वैश्वीकरण (भूमण्डलीकरण) 833
Globalization
वैश्वीकरण एवं सामाजिक आयाम, वैश्वीकरण एवं पूँजीवाद, वैश्वीकरण से लाभ एवं हानि तथा आशंकाएँ, वैश्वीकरण एवं विकासशील देशों की गरीब जनता, वैश्वीकरण की समीक्षा।

परिशिष्ट **849**
Appendix

★ **महत्त्वपूर्ण संधियाँ** 851
Significant Treaties/Alliances/Agreements

1. पेरिस की संधि (1763); 2. पेरिस की संधि (1783); 3. कैम्पो फोर्मियो की संधि (1797); 4. अमीन्स की संधि (1802); 4. टिलसिट की संधि (1807); 6. एड्रियानोपल की संधि (1829); 7. नॉनकिंग की संधि (1842); 8. कनागाव की संधि (1854); 9. पेरिस की संधि (1856); 10. तिन्तसिन की संधि (1858); 11. प्लोम्बियर्स समझौता (1858); 12. विलाफ्रेंका की विराम संधि (1859); 13. गेस्टाइन समझौता (1865); 14. प्राग की संधि (1866); 15. फ्रेंकफर्ट की संधि (1871); 16. सेन स्टीफेनो की संधि (1878); 17. बर्लिन कांग्रेस (1878); 18. द्विगुट संधि (1879); 19. त्रिराज्य संधि (1882); 20. बर्लिन सम्मेलन (1885); 21. पुनराश्वासन संधि (1887); 22. रूस-फ्रांस मैत्री संधि (1893-94); 23. शिमोनेस्की की संधि (1895); 24. आंग्ल-जापान संधि (1902); 25. वेरींगिंग की संधि (1902); 26. आंग्ल-फ्रांसीसी समझौता (1904); 27. पोर्ट्समाउथ की संधि (1905); 28. आंग्ल-रूसी समझौता (1907);

Scanned by TapScanner